Economics

(98)

सम - सीमान्त उपयोगिता नियम को दो वस्तुओं के आधार पर एवम् तीन वस्तुओं के आधार पर दिखाया जा सकता है।

हम यह मान ले कि उपभोक्ता के पास 5 रु० है तथा वह दो वस्तु A तथा B का क्रय करता है। हम यह मान ले कि वस्तु A तथा वस्तु B की कीमत 1 रु० है तो निम्न तालिका के द्वारा सम - सीमान्त उपयोगिता नियम की व्याख्या की गई है—

तालिका

Unit	M.U of A	M.U of B
1	100	75
2	80	50
3	50	18
4	20	11
5	5	2

M.U of A = M.U of B = 50

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि जब उपभोक्ता के पास 5 रु० है तो उपभोक्ता वस्तु 'A' की 3 इकाईयाँ तथा वस्तु B की 2 इकाईयाँ खरीदता है। ऐसा करने से उसे अधिकतम संतुष्टि प्राप्त होता है। क्योंकि M.U of A = M.U of B = 50

उपरोक्त तालिका के आधार पर सम-सीमान्त उपयोगिता नियम को निम्न चित्र के द्वारा दर्शाया किया जा सकता है।

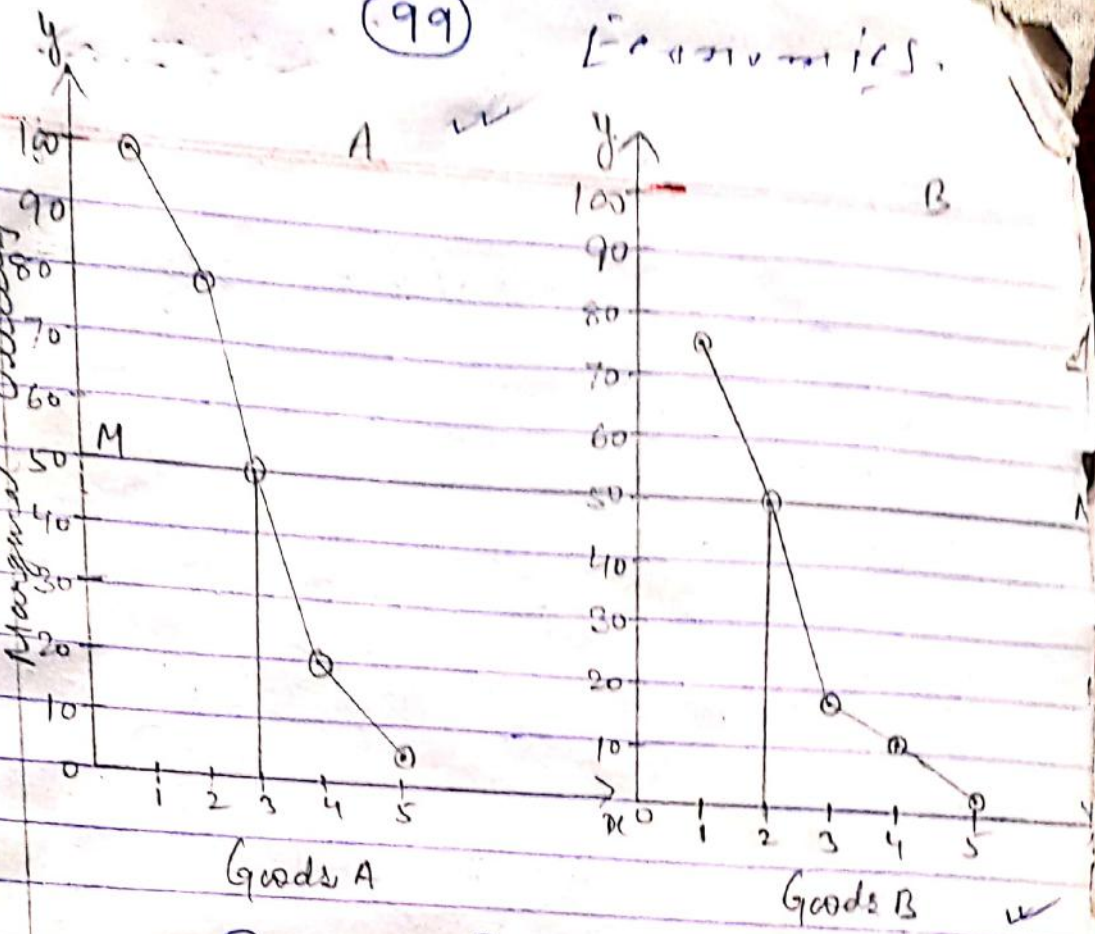

सम - सीमान्त उपयोगिता नियम को तीन वस्तुओं के आधार पर भी दिखलाया जा सकता है। यदि हम मान लें कि उपभोक्ता के पास 6 रु० है तथा उपभोक्ता तीन वस्तु A, B तथा C का क्रय करता है। यदि हम यह मान लें कि वस्तु A, वस्तु B तथा वस्तु C की कीमत 1 रु० है, तो ऐसी स्थिति में निम्न तालिका में 'सम - सीमान्त उपयोगिता नियम' को दिखाया जा सकता है।

तालिका

Unit	M.U of A	M.U of B	M.U of C
1	30	25	[15]
2	20	[15]	10
3	[15]	5	5
4	10	3	2
5	8	2	1